समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

UP स्कूल प्रिंसिपल का BSA पर बेल्ट से प्रहार, 22 सेकंड मे तोड़ा फोन ; जानिए पूरी घटना

Sanket Morankar Published on 24 Sep 2025

उत्तर प्रदेश के एक स्कूल में हुई हैरान करने वाली घटना ने सोशल मीडिया और शिक्षा विभाग दोनों में हलचल मचा दी है। स्कूल के प्रिंसिपल ने बीएसए (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) पर बेल्ट से हमला किया और केवल 22 सेकंड के भीतर उनका मोबाइल फोन तोड़ दिया। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो गया है, जिसने जनता और अधिकारियों दोनों को सकते में डाल दिया है।

घटना उस समय हुई जब बीएसए स्कूल का निरीक्षण करने आए। सूत्रों के अनुसार, प्रिंसिपल ने बीएसए के नोट्स और टिप्पणियों पर आपत्ति जताई और अचानक उनका गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने बेल्ट उठाई और बीएसए पर हमला कर दिया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घटना शुरू होने के 22 सेकंड के भीतर ही प्रिंसिपल ने उनका फोन भी तोड़ दिया।

स्कूल में मौजूद शिक्षकों और छात्रों ने तुरंत सुरक्षा को सूचना दी। कुछ लोगों ने कहा कि यह घटना किसी को गंभीर रूप से चोट पहुंचाए बिना खत्म हुई, लेकिन इस घटना ने पूरे शिक्षा प्रशासन को झकझोर कर रख दिया। बीएसए का कहना है कि यह हमला पूरी तरह से अनुचित और अस्वीकार्य है। उन्होंने मीडिया को बताया कि उन्होंने केवल स्कूल के मानक और रिकॉर्ड की जांच की थी और किसी भी तरह का विवाद पैदा करने का इरादा नहीं था।

इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग ने तुरंत जांच के आदेश दिए। विभाग ने कहा कि प्रिंसिपल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, प्रिंसिपल पर हमला और सरकारी अधिकारी के उपकरण को नुकसान पहुंचाने का मामला गंभीर अपराध के तहत आता है।

सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होते ही कई तरह की प्रतिक्रियाएँ सामने आई। कई लोगों ने प्रिंसिपल की कार्रवाई की निंदा की, जबकि कुछ लोगों ने शिक्षा विभाग की प्रणाली और अधिकारियों की निगरानी पर सवाल उठाए। इसके अलावा, शिक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि यह घटना शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन और प्रशासनिक निगरानी की कमी को उजागर करती है।

घटना के पीछे की पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए कुछ सूत्रों ने कहा कि प्रिंसिपल और बीएसए के बीच पहले से तनातनी चल रही थी। हालांकि, यह हमला अचानक हुआ और इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं कि स्कूल में मौजूद अन्य शिक्षक और स्टाफ क्यों बीच में

नहीं आए।

इस घटना ने बच्चों और अभिभावकों में भी चिंता पैदा कर दी है। कई अभिभावकों ने कहा कि ऐसे व्यवहार से छात्रों के मन में डर पैदा होता है और स्कूल की सुरक्षा पर सवाल उठता है। उन्होंने शिक्षा विभाग से तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

वहीं, सरकारी अधिकारियों ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्तिगत विवाद का नहीं है, बल्कि यह पूरे प्रशासनिक तंत्र में अनुशासन और जिम्मेदारी की कमी को उजागर करता है। विभाग ने कहा कि प्रिंसिपल को निलंबित करने और पूरी तरह जांच कराने के आदेश दिए जा चुके हैं।

घटना के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर #UPPrincipalBSA और #SchoolViolence ट्रेंड करने लगे। वीडियो को देखने वाले लोग प्रिंसिपल की कार्यवाही की आलोचना कर रहे हैं और शिक्षा विभाग से कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं शिक्षा प्रणाली की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक और प्रशासनिक अधिकारी हमेशा शांति और पेशेवर व्यवहार का पालन करें, और किसी भी विवाद को हिंसात्मक तरीके से हल करने की कोशिश न करें।

उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में शिक्षा विभाग तुरंत कार्रवाई करेगा और प्रिंसिपल के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

संक्षेप में, उत्तर प्रदेश के इस स्कूल में प्रिंसिपल द्वारा BSA पर बेल्ट से हमला करना और उनका फोन तोड़ना शिक्षा प्रशासन और समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। इस घटना ने न केवल शिक्षा प्रणाली में अनुशासन की कमी को उजागर किया है बल्कि यह भी दिखाया कि किस प्रकार व्यक्तिगत विवाद और गुस्सा गंभीर परिणाम ला सकता है।

यह घटना शिक्षा विभाग, प्रशासन और जनता के लिए एक सबक है कि स्कूल में अनुशासन और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.